

उत्तर प्रदेश की युवा ताकत का योग्य उपयोग हो - राज्यपाल
कौशल विकास युवाओं को हताशा से निकालकर आशा की किरण देने वाला कार्यक्रम है - मुख्यमंत्री

लखनऊ: 1 मई, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राज्य स्तरीय कौशल विकास प्रतियोगिता का दीप प्रज्ज्वलित करके उद्घाटन किया। इस अवसर पर व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री श्री चेतन चौहान, अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्री बलदेव सिंह औलख, कौशल विकास राज्य मंत्री श्री सुरेश पासी, एन०एस०डी०सी० के प्रमुख श्री जयन्त कृष्णा, सचिव व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास श्री भुवनेश कुमार, प्रबन्ध निदेशक श्री प्रांजल यादव व बड़ी संख्या में युवा प्रतिभागी उपस्थित थे। कार्यक्रम में यमाहा इण्डिया एवं सैमसंग कम्पनी के बीच उत्तर प्रदेश से संबंधित एक समझौते का आदान प्रदान हुआ। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि युवाओं के सही मार्गदर्शन के लिए कौशल विकास योजना एक मात्र उपाय है। वर्ष 2016-17 में राज्य विश्वविद्यालय के 15,60,375 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गयी है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सम-विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालय को जोड़कर यह संख्या और भी बढ़ जाती है, जिसका तात्पर्य है कि उत्तर प्रदेश में शिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध है, जिसमें छात्राओं की 51 प्रतिशत भागीदारी है। उत्तर प्रदेश की युवा ताकत का योग्य उपयोग हो। उन्होंने कहा महिलाओं के लिए कौशल विकास स्पर्धा में विशेष स्थान चिन्हित करके उन्हें प्रोत्साहित किया जाये।

श्री नाईक ने युवा प्रतिभागियों को जीवन में सफलता प्राप्त का मंत्र देते हुए कहा कि 'सफल होना है' कि जिदद बनाकर प्रतिस्पर्धा में भाग लें। स्वयं में कौशल विकास के साथ-साथ अपनी दृष्टि भी स्थापित करें। नई दृष्टि से नए रास्ते उपलब्ध होते हैं। छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान दें क्योंकि छोटी बातों का भी जीवन में बहुत महत्व होता है। उत्तर प्रदेश आबादी की दृष्टि की देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। बाजार की स्पर्धा को स्वीकार करना एक चुनौती है। उत्तर प्रदेश आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का मार्ग प्रशस्त करने के लिए युवा आगे आये। राज्यपाल ने 'चरैवेति! चरैवेति!!' का मर्म समझाते हुए निरन्तर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कौशल विकास युवाओं को हताशा से निकालकर आशा की किरण देने वाला कार्यक्रम है। 20 लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ा जायेगा। रोजगार के लिये अपने शहर में काम मिले तो पलायन रुकेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 350 तहसीलों में कौशल विकास केन्द्र स्थापित हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिले उत्पाद या हनर के लिये जाने जाते हैं। मंच और ब्रांडिंग के लिये ईमानदारी से प्रयास होना चाहिए। सरकार 'एक जिला एक उत्पाद' की योजना के अंतर्गत उत्पादों को मंच प्रदान करके ब्रांडिंग करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध संभावनाओं को रोजगार में कैसे परिवर्तित किया जाये इस पर विचार होना चाहिए।

इस अवसर पर कौशल विकास मंत्री श्री चेतन चौहान ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में श्री जयन्त कृष्णा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सचिव कौशल विकास श्री भुवनेश कुमार और प्रबंध निदेशक श्री प्रांजल यादव को सम्मानित भी किया गया।

